राँची विज्ञान केंद्र



राँची विज्ञान केन्द्र- विज्ञान की अनौपचारिक शिक्षा का एक केंद्र

जलप्रपातों का शहर - राँची को वास्तविक रूप से अरची गाँव के नाम से जाना जाता था। भौगोलिक रूप से यह छोटानागपुर पठार के दक्षिण भाग में स्थित है। पहाड़ी स्थलाकृति एवं घने उष्णकंटिबंधीय जलवायु वाले जंगलों की उपस्थिति के कारण तुलनात्मक दृष्टि से यहाँ शीतल जलवायु पायी जाती है। झारखण्ड राज्य की राजधानी, राँची पूर्वी भारत का एक प्रमुख व्यावसायिक, औद्योगिक, स्वास्थ्य सेवा तथा शिक्षा का केन्द्र है।









झारखण्ड के संसाधन

'झारखण्ड के संसाधन' दीर्घा राज्य के प्राकृतिक, सांस्कृतिक, औद्योगिक, मानव तथा भूगर्भीय संसाधन को प्रदर्शित करती हैं। यहाँ प्रदर्शनों को नवीनतम तकनीक के अन्तः क्रियात्मक प्रदर्श के द्वारा दिखाया गया है।

'झारखण्ड प्रकृति का अपना राज्य' प्रभाग राज्य की सामान्य जानकारी देता है। इस दीर्घा के 'कृत्रिम कोयला खान' वाले भाग में आप पूरी तरह से कोयला खान के अंदर होने वाली घटनाओं से परिचित हो सकते हैं। इसके साथ ही साथ भूमिगत संसार के अंजाने, दिलचस्प और विशिष्ट जानकारी को भी जान सकते हैं। इस भाग में कोयले को खान से बाहर कैसे लाया जाता है, खुदाई के बावजूद भी सुरंग क्यो नहीं ढहती है तथा खान के अंदर अपनाये जाने वाली सावधानियों के बारे में भी जानकारी प्राप्त होती है।

'जंगल सफारी' वाला भाग आपको जंगल में अनुपम अनुभूति प्रदान करता है। यहाँ हमेशा कुछ न कुछ नया ढूंढने के लिए बचा ही रहता है। जंगल में सैर करें जहाँ राज्य की वनस्पति तथा जानवरों के साथ प्रकाश एवं ध्वनि प्रभाव जंगल को जीवित कर देता है।

'पर्यटन ' का भाग झारखण्ड के सुन्दर संसार को सामने लाता है जहाँ मानव और प्रकृति न सिर्फ एक साथ निवास करते हैं पर एक साथ सामंजस्य में भी हैं।

इधर आप किसी रमणीक स्थान में जाये बिना, अपनी खुद की अद्भुत तस्वीर उस स्थान पर ले सकते हैं। और यह सब डिजीटल तकनीक के द्वारा संभावित किया गया है। यह एक उत्तम प्रदर्श है जिसके द्वारा आप राज्य में उपलब्ध अपार पर्यटन की संभावनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

खनिज संबंधित भारी एवं मध्यम उद्योग जैसे लोहा एवं स्टील, अल्युमीनियम, सीमेंट, खाद इत्यादि उद्योग की स्थापना के लिए झारखण्ड उत्तम स्थल है क्योंकि इन उद्योगों के लिए कच्चे माल को दूसरे राज्यों से आयात नहीं करना पड़ता है। 'उद्योग' का भाग झारखण्ड को भारत के एक समृद्ध औद्योगिक केन्द्र के रूप में दर्शाता है। इस भाग का एक अन्य आकर्षण 'ब्लास्ट फरनेस' है। राज्य के दूसरे अन्य प्राकृतिक संपदा को भी यहाँ आकर्षक रूप से दिखाया गया है।



उपकरणों की कार्यविधि

'उपकरणों की कार्यविधि' दीर्घा आपको विभिन्न मशीनों तथा उपकरणों के बारे में जानकारी देता है जिसे हम हमारे प्रतिदिन के कार्य में उपयोग करते है। इसमें साधारण बालप्वाइंट पेन से लेकर अत्याधुनिक मोबाइल फोन सम्मिलित है। दीर्घा को अनेक भाग में बाँटा गया है जैसे साधारण मशीनें, माप उपकरण, घरेलू उपकरण, यातायात के साधन, संचार के चमत्कार, घरेलू मनोरंजन की चीजें, यंत्र की पहचान, उनके आविष्कारक तथा नवीनता का उपहार इत्यादि।

मशीन एक ऐसा उपकरण है जो कार्य करने में हमारी सहायता करता है। ६ प्रकार के साधारण मशीनें होती हैं- झुका हुआ तल, खूँटा, स्क्रू, घिरनी, लीवर तथा पहिया एवं एक्सल। इनमें से प्रायः सभी हमारे प्रतिदिन के जीवन में किसी न किसी रूप में प्रयोग में आते हैं। यह जानना हमेशा से ही

दिलचस्प रहा है कि डिजीटल कैमरा, मोबाइल या ई.सी.जी. किस प्रकार कार्य करता है? डॉक्टर किस तरह दिल की किसी समस्या के बारे में जान जाते हैं?

'साधारण मशीन' का भाग यांत्रिक भूलभुलैया की सहायता से तथा अन्तः क्रियात्मक प्रदर्श के द्वारा ऊर्जा के प्रेषण का सिद्धांत वर्णन करता है।

जिसे आप माप नहीं सकते उसे आप संभाल नहीं सकते। मापने के बाद ही आप किसी उपकरण के लाभ या हानि का अंदाजा लगा सकते हैं। मापना हमारे दिनचर्या का एक भाग है। 'मापन के यंत्र' वाला भाग अन्तः क्रियात्मक प्रदर्श की सहायता से सामान्य मापन यंत्रों जैसे थर्मामीटर, समान्य वजन मापी, स्पीडोमीटर आदि के बारे में बताता है।

सेन्सर (संवेदक) को अपनी भुजा के पास कुछ क्षण के लिए रखें और कुछ ही सेकेण्ड में अपने रक्त के मापदण्ड के बारे में जानें, वह भी बिना किसी दर्द के। यह सुनने में काल्पनिक लगती है पर है सच ।

आपके कमरे का वातावरण जहाँ आप अपना घरेलू मनोरंजन के उपकरण लगा रहे हैं, उसकी सफलता आपके मेहनत पर निर्भर करती है। यह सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि आपको घरेलू मनोरंजन उपकरणों की कितनी जानकारी है। 'घर के मनोरंजन' भाग में घूमें। नये तरह के प्रदर्शन और अन्तः क्रियात्मक प्रदर्श आपको अपने घर के लिए सही सिस्टम चुनने में मदद करेंगे।

'उपकरणों की कार्यविधि' दीर्घा में अनेकों रूचिकर एवं दिलचस्प तथ्य हैं जो आपके सामने प्रकट होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।









मनोरंजक विज्ञान

इस दीर्घा में आपको विज्ञान के विभिन्न पहलूओं को अनुभव करने का अवसर एक अद्भुत वातावरण में मिलेगा। यहाँ आप दोलक में उत्पन्न अव्यवस्था, गुरूत्व नियम का उल्लंघन करती वस्तु, दृष्टि भ्रम उत्पन्न करते हुये प्रदर्श यंत्र, कलाबाजी करते गेंद, रंगीन प्रतिबिंब उत्पन्न करते प्रकाश, भ्रांत प्रतिबिंब बनाते दर्पण वगैरह से अन्तःक्रिया कर सकते हैं। अतः आप आश्चर्यजनक और मंत्रमुग्ध करने वाले मनोरंजक विज्ञान प्रदर्श देखने के लिये तैयार रहें।



विज्ञान उद्यान

विज्ञान केंद्र की चारदीवारों के बाहर हरा विज्ञान उद्यान है, जो ८ एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है। यहाँ साधारण मशीन, ध्वनि, प्रकाशविज्ञान, दोलक इत्यादि पर आधारित अनेको प्रदर्श हैं। यहाँ परवलय परावर्त्तक की सहायता से एक फुसफुसाहट को दूर से सुना जा सकता है, खाली नली के द्वारा सुर उत्पन्न हो सकते हैं तथा प्रागैतिहासिक जानवरों के प्ररूप आपको पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति के बारे में बताया गया है। केन्द्र ८ प्रमुख वैज्ञानिकों को भी श्रद्धांजलि देता है जिनकी प्रतिमायें यहाँ स्थापित की गयी हैं।







त्रि:विमीय प्रेक्षागृह

प्रतिबिंब को अद्भुत तरीके से दिखाने में डिजीटल तकनीक बहुत मदद करती है। इस प्रेक्षागृह में पोलेराइडों की मदद से स्टीरियों प्रक्षेपण त्रि-विमीय प्रभाव उत्पन्न करते हैं। विशेष पोलेराइड चश्में की सहायता से यह शो एक अद्भुत अनुभव प्रदान करता है।

अन्य सुविधाएँ-

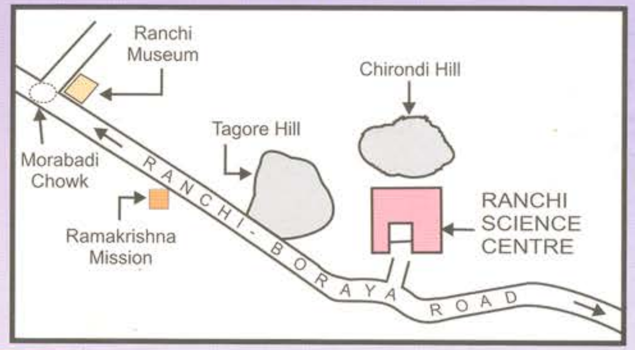
- **शिशु कक्ष-** यहाँ बच्चे विभिन्न तरह के पहेलियों तथा विज्ञान के उपकरणों की सहायता से साधारण प्रयोग का आनंद ले सकते हैं।
- **तारामंडल-** गुम्बदाकार फूलने योग्य तारामण्डल एक साथ ३० विद्यार्थियों को समा सकता है तथा यह खगोल विज्ञान के सिद्धांत को अनोखे एवं संवादात्मक तरीके से प्रस्तुत करता है।
- **विज्ञान प्रदर्शन कक्ष-** इस भाग में मंत्रमुग्ध करने वाले प्रदर्शन तथा प्रयोग करने की व्यवस्था है।
- **कम्प्यूटर कक्ष-** इस कक्ष में विभिन्न वर्गों को कंप्यूटर के प्रयोग जैसे इंटरनेट, मल्टीमीडिया प्रस्तुति के बारे में शिक्षा प्रदान की जायेगी।

राँची विज्ञान केंद्र, राज्य का पहला केंद्र है जो जनमानस को विज्ञान तथा तकनीकी के संसार में अनुभव प्राप्त करने का आमंत्रण देता है।

राँची विज्ञान केंद्र को राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद्, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संकल्पित तथा विकसित किया गया है।

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद्, देश में विज्ञान संग्रहालयों तथा विज्ञान केंद्रो की प्रमुख संस्था है। यह अपने २७ विज्ञान केंद्रों तथा संग्रहालयों के संजाल के साथ जनमानस में विज्ञान के प्रति जागरूकता तथा रूचि बढ़ाने में रत है। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, रा.वि.सं.प को इसके कार्यों में तथा इसकी सुविधाओं के विस्तार में प्रचुर सहायता प्रदान करता है।

How to Reach



समय : १०.०० बजे प्रातः से ५.०० बजे सायं तक

मंगलवार तथा राष्ट्रीय अवकाशों के अलावा सभी दिन विज्ञान केंद्र खुला रहेगा।

राँची विज्ञान केंद्र

झारखण्ड विज्ञान एवं प्रावैधिक परिषद्
गांव - चिरौंदी, टैगोर हिल के पास
पोस्ट- मोराबादी
राँची- ८३४००८